भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*290

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

जनजातीय पर्यटन एवं एथनिक टूरिज्म को बढ़ावा देना

†*290. श्री विष्णु दयाल राम:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने झारखंड राज्य में जनजातीय पर्यटन एवं एथनिक टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो राज्य में जनजातीय पर्यटन एवं एथनिक टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि सहित कार्यान्वित योजनाओं और कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस संबंध में सरकार के समक्ष आने वाली चुनौतियां या बाधाएं, यदि कोई हों, क्या हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री विष्णु दयाल राम द्वारा जनजातीय पर्यटन एवं एथनिक टूरिज्म को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 16.12.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*290 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (ग): जी हां, पर्यटन मंत्रालय अपने निरंतर किए जा रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों की सहायता, प्रदर्शनियों में भागीदारी, वेबसाइटों, सोशल मीडिया आदि पर प्रचार सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से झारखंड राज्य में जनजातीय और एथनिक पर्यटन के साथ-साथ भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

यह मंत्रालय आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच), स्वदेश दर्शन, तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) और पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता नामक अपनी योजनाओं के तहत पर्यटन के संवर्धन और विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत झारखंड राज्य में 'चांडिल' को विकास के लिए चिह्नित किया है। इसके अतिरिक्त, एसडी 2.0 की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक उप योजना के तहत रामरेखा धाम के लिए भी 25 करोड़ रु. की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान झारखंड राज्य में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची **अनुबंध** में दी गई है।

भारत सरकार ने पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों की विशेष सहायता (एसएएससीआई) हेतु दिशानिर्देशों के अंतर्गत प्रसिद्ध पर्यटक केन्द्रों के विकास के लिए झारखंड राज्य में 34.87 करोड़ रु. की राशि से तिलैया, कोडरमा में इको-पर्यटन के विकास का अनुमोदन प्रदान किया है।

सरकार ने 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' के हिस्से के रूप में पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत जनजातीय होमस्टे विकसित करने की पहल को भी मंजूरी दी है। उक्त पहल में नए निर्माण के लिए प्रति इकाई 5.00 लाख रु., नवीकरण के लिए 3.00 लाख रु. और ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5.00 लाख रु. की सहायता सहित 1000 होमस्टे का विकास शामिल है।

*****

अनुबंध

श्री विष्णु दयाल राम द्वारा जनजातीय पर्यटन एवं एथनिक टूरिज्म को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 16.12.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*290 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पिछले पांच वर्षों के दौरान झारखंड राज्य में विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

(लाख रु. में)

योजना	**वर्ष**	**परियोजना**	**स्वीकृत राशि**	**जारी राशि**
स्वदेश दर्शन	2018-19	इको पर्यटन परिपथ: इको परिपथ के अंतर्गत दलमा-बेतला राष्ट्रीय उद्यान-मिरचैया-नेतरहाट का विकास	3044	2804
प्रशाद	2018-19	बैद्यनाथजी धाम, देवघर का विकास	3679	3495
आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच)	2019-20	भैरवनाथ महोत्सव	25	25
		शरद महोत्सव, नेतरहाट	25	25

*****